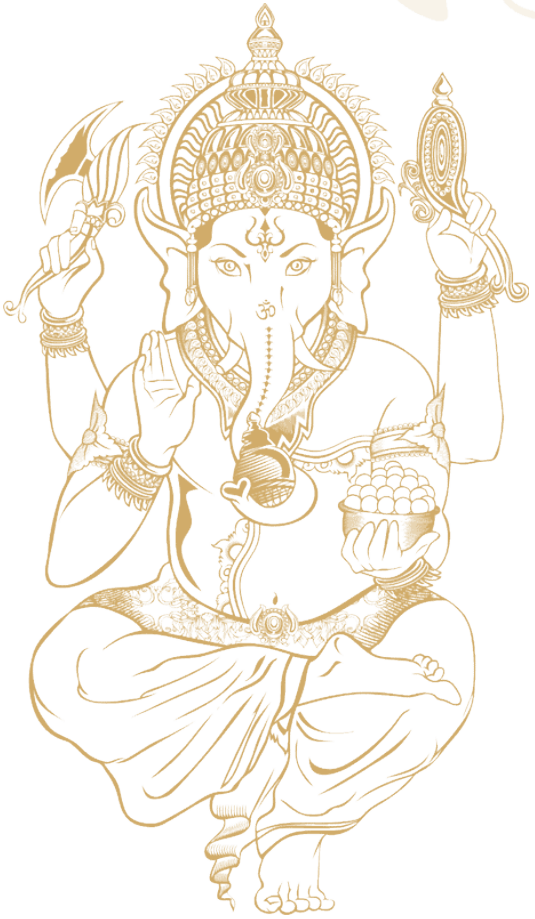

Anjali

04 Nov 1994

11:40 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121328704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/11/1994**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:40:00 घंटे**
इष्ट	42:45:26 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:20:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल	02:15:49 घंटे
सूर्योदय	06:33:49 घंटे
सूर्यास्त	17:31:35 घंटे
दिनमान	10:57:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:18:34 तुला
लग्न के अंश	17:40:41 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शोभन
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	17:40:41	306:37:17	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			तुला	18:18:34	01:00:10	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	05:12:16	15:09:17	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल			कर्क	22:24:20	00:28:03	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध			कन्या	29:39:06	00:52:17	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु		अ	तुला	28:33:47	00:13:10	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र	व	अ	तुला	15:25:46	00:36:09	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	11:54:35	00:00:29	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	21:01:03	00:00:17	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	21:01:03	00:00:17	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	29:04:46	00:01:41	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	27:05:18	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	03:33:29	00:02:20	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मेष	12:29:23	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:17

लग्न-चलित

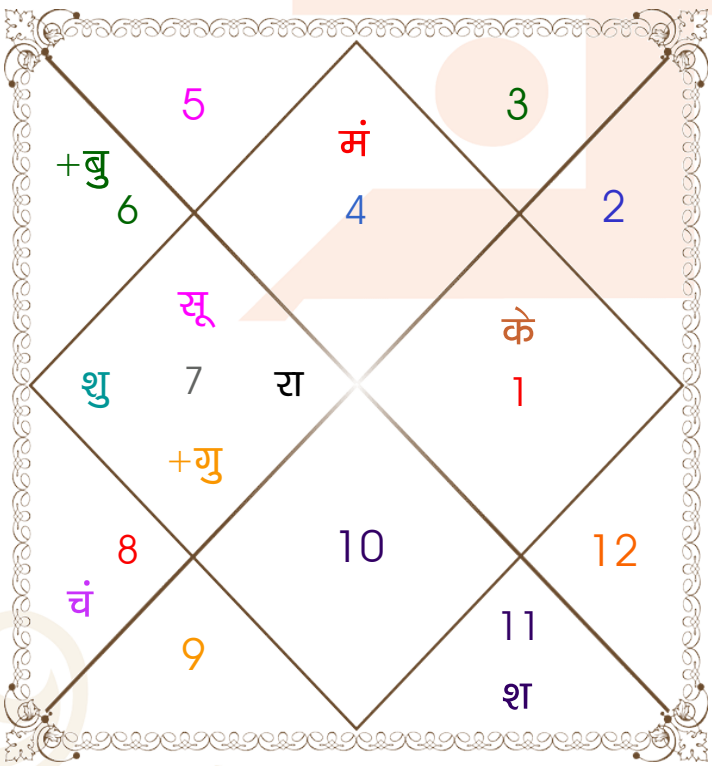

चन्द्र कुंडली

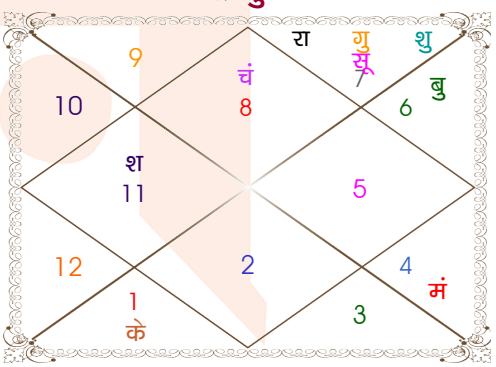

नवमांश कुंडली

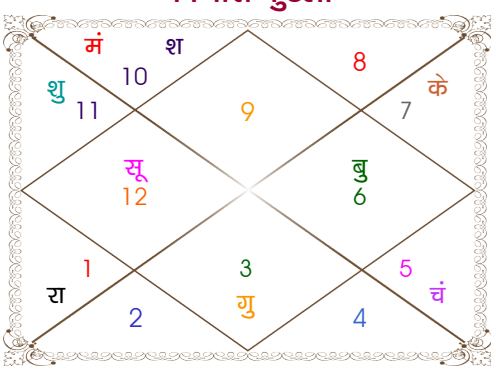

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 4 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/11/1994		06/03/2011		06/03/2028		06/03/2035		06/03/2055	
06/03/2011		06/03/2028		06/03/2035		06/03/2055		06/03/2061	
शनि	09/03/1995	बुध	02/08/2013	केतु	02/08/2028	शुक्र	06/07/2038	सूर्य	24/06/2055
बुध	17/11/1997	केतु	30/07/2014	शुक्र	02/10/2029	सूर्य	06/07/2039	चंद्र	24/12/2055
केतु	26/12/1998	शुक्र	30/05/2017	सूर्य	07/02/2030	चंद्र	06/03/2041	मंगल	29/04/2056
शुक्र	25/02/2002	सूर्य	06/04/2018	चंद्र	08/09/2030	मंगल	06/05/2042	राहु	24/03/2057
सूर्य	07/02/2003	चंद्र	05/09/2019	मंगल	04/02/2031	राहु	06/05/2045	गुरु	10/01/2058
चंद्र	07/09/2004	मंगल	01/09/2020	राहु	22/02/2032	गुरु	05/01/2048	शनि	23/12/2058
मंगल	17/10/2005	राहु	22/03/2023	गुरु	28/01/2033	शनि	06/03/2051	बुध	30/10/2059
राहु	23/08/2008	गुरु	26/06/2025	शनि	09/03/2034	बुध	04/01/2054	केतु	06/03/2060
गुरु	06/03/2011	शनि	06/03/2028	बुध	06/03/2035	केतु	06/03/2055	शुक्र	06/03/2061

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/03/2061		06/03/2071		06/03/2078		06/03/2096		07/03/2112	
06/03/2071		06/03/2078		06/03/2096		07/03/2112		00/00/0000	
चंद्र	04/01/2062	मंगल	02/08/2071	राहु	16/11/2080	गुरु	24/04/2098	शनि	05/11/2114
मंगल	05/08/2062	राहु	20/08/2072	गुरु	12/04/2083	शनि	05/11/2100		00/00/0000
राहु	04/02/2064	गुरु	27/07/2073	शनि	16/02/2086	बुध	11/02/2103		00/00/0000
गुरु	05/06/2065	शनि	05/09/2074	बुध	04/09/2088	केतु	18/01/2104		00/00/0000
शनि	04/01/2067	बुध	02/09/2075	केतु	23/09/2089	शुक्र	18/09/2106		00/00/0000
बुध	05/06/2068	केतु	29/01/2076	शुक्र	22/09/2092	सूर्य	07/07/2107		00/00/0000
केतु	04/01/2069	शुक्र	30/03/2077	सूर्य	17/08/2093	चंद्र	05/11/2108		00/00/0000
शुक्र	05/09/2070	सूर्य	05/08/2077	चंद्र	16/02/2095	मंगल	12/10/2109		00/00/0000
सूर्य	06/03/2071	चंद्र	06/03/2078	मंगल	06/03/2096	राहु	07/03/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।